

**Date:** 16-02-21  
**Publication:** Sanmarg  
**Edition:** Asansol

## सीआईएल का खर्च घटकर 54241 करोड़ रु. रहा

नयी दिल्ली: कोल इंडिया लि. का चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल खर्च 3.3 प्रतिशत घटकर 54,241 करोड़ रु. रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर की अवधि में उसकी खुली खदानों का संपूर्ण उत्पादन 16.1 प्रतिशत अधिक रहा। सीआईएल का कुल खर्च पिछले वर्ष की समान अवधि में 56,079 करोड़ रुपये था। कंपनी ने दिसंबर 2020 को समाप्त तीसरी तिमाही के दौरान 6.3 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि हासिल की, कोयले के उठाव में 9.1 प्रतिशत और ओबीआर हटाने में 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कर्मचारी संख्या चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में 2.72 लाख थी।

**Date:** 16-02-21

**Publication:** The Telegraph

**Edition:** Kolkata

# **Coal India expenses down 3%**

**A STAFF REPORTER**

**Calcutta:** Coal India on Monday said its overall expenditure has come down 3.3 per cent between April and December 2020 on the back of a reduction in manpower.

Overall expenditure during the period was Rs 54,241 crore against Rs 56,079 crore during the same period a year ago.

The public sector miner said a major reduction was visible in employee benefit expenses which were down by Rs 735 crore. These include salaries of employees, performance-related pay of executives, performance-linked rewards of non-executives and provident fund contributions.

During the nine-month period, CIL's manpower came down by 13,800. Total manpower stood at 2.72 lakh at the start of 2020-21. This was 3.22 lakh four years ago.

Coal India said in a statement that the organisation was becoming leaner through superannuation of around 13,000 employees per year and the trend of reduction is expected to continue for a few more years.

Employee benefit expenses comprise around 50 per cent of the company's overall revenue expenditure.

Coal India further said provisioning of stripping activity was also down by Rs 2,894 crore during the nine month period.

Stripping activity is the quantity of overburden removed for the required coal produced. Overburden removal is another significant component of expenditure.

**Date:** 17-02-21  
**Publication:** Dainik Jagran  
**Edition:** Ranchi

# कोल इंडिया के पास 73 मिलियन टन कोयले का भंडार

**जागरण संगठनदाता, सांकतोडिया (बर्द्धमान):** कोल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल मंगलवार को आधिकारिक दौर पर सांकतोडिया स्थित ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्होंने शहीद खनिक स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किया पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोल इंडिया के पास 73 मिलियन टन कोयले का भंडार है। हाल के दिनों में कोयले का भंडार व आयात भी बढ़ा है।

कोयला एक ऐसा चीज है, जिसका भंडारण नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के कोयले की गुणवत्ता अन्य राष्ट्रों की तुलना में उतनी अच्छी नहीं है। इसके कारण हमारे कोयले की मांग कम है। उन्होंने

कहा कि कुछ कंपनियों को उच्च गुणवत्ता वाले कोयले या कोकिंग कोल ही चाहिए।

इस मौके पर समीक्षा बैठक करते हुए चेयरमैन ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोयला उत्पादन लक्ष्य हासिल करने की दिशा में ईसीएल के अधिकारियों, कर्मियों व जेसीसी सदस्यों से ठोस पहल करने की अपील की। इस अवसर पर ईसीएल के निदेशक तकनीकी (संचालन) बी वीरा रेड्डी, निदेशक तकनीकी (योजना व परियोजना) जेपी गुप्ता, निदेशक वित्त गौतम चंद्र डे, मुख्य सतर्कता अधिकारी एमके मिश्रा, ईसीएल सीएमडी के तकनीकी सचिव नीलाद्री राय सहित मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

Date: 19-02-21

Publication: Hindustan Hindi

Edition: Ranchi

# कोल इंडिया व पावर प्लांटों के पास 123 मिलियन टन स्टॉक

## कोल वर्ल्ड

धनबाद | विशेष संवाददाता

कोल इंडिया के ताजे आंकड़े के अनुसार कोयला कंपनियों के पास 17 फरवरी तक 73 मिलियन टन कोयले का स्टॉक है। वहीं पावर प्लांटों के पास भी 50 मिलियन टन कोयले का स्टॉक है। इस स्थिति पर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टॉक स्थिति देख समझ लीजिए कि चालू वित्तीय वर्ष यानी मार्च तक कोयले की जितनी जरूरत है, उतना स्टॉक में उपलब्ध है। यही वजह है कि कोयले की मांग नहीं बढ़

रही है और ई-ऑक्शन में भी अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है।

वैसे कई कोयला कंपनियों के सीएमडी का मानना है कि पहले के मुकाबले बिजली की मांग बढ़ी है। उम्मीद है नए वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोल सेक्टर में कोरोना के कारण आई मंदी का असर कम होगा। मौजूदा समय में कोयला कंपनियों के लिए लक्ष्य हासिल करने की चुनौती है। मांग में कमी के कारण स्टॉक में कमी नहीं हो रही। लक्ष्य हासिल करने के लिए उत्पादन बढ़ाते हैं तो स्टॉक बढ़ेगा। ऐसे में कोयले की सुरक्षा भी बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

**निर्यात योजना का लाभ ईसीएल-**

## बिना किसी की नौकरी लिए 1838 करोड़ की बचत



धनबाद। कोल इंडिया एवं अनुष्णी कंपनियों ने कोरोना काल में बिना किसी की नौकरी लिए कास्ट कटिंग से चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में कुल कैपिटल के कुल आय-0 व्यय के रूप में 1838 करोड़ रुपए का राजस्व बचाने में कामयाबी हासिल की। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार दिसंबर 2020 में समाप्त तीसरी तिमाही के दौरान, खनन के खर्च में कमी आई, जबकि उत्पादन में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि, कोयले की कीमतों में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि और ओबी हटाने पर 17.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। किसी कर्मचारी की नौकरी नहीं गई लेकिन मिलने वाली सुविधाओं में कुछ कटौती जरूर हुई। आंकड़ों के अनुसार कोयलाकर्मियों के रिटायरमेंट से भी खर्च में कटौती करने में मदद मिली।

**बीसीसीएल को संभव:** कोल इंडिया के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोल इंडिया कोयले की निर्यात को लेकर रोडमैप तैयार कर रही है।

इसका लाभ ईसीएल एवं बीसीसीएल को संभव है। वजह अपेक्षाकृत कोयले की बेहतर क्वालिटी है। सूत्र ने बताया कि गुणवत्ता के अनुसार

## मार्च तक रिटायर कोयलाकर्मों कर्मों सीपीआरएमएस का सदस्य बन सकते हैं

धनबाद। 1.7.2016 से पूर्व रिटायर कोयला कर्मियों को सीपीआरएमएस (कंट्रीब्यूटरी पोस्ट रिटायरमेंट मेंडिकल स्कीम) का सदस्य बनने संबंधी आदेश बीसीसीएल की ओर से जारी कर दिया गया। कोल इंडिया से निर्णय पहले हो गया था। अब बीसीसीएल की ओर से भी आदेश निर्गत कर दिया गया। रिटायरकर्मों उक्त मेंडिकल स्कीम का लाभ लेने के लिए 40 हजार रुपया जमा कर सदस्य बन सकते हैं। मालूम हो उक्त स्कीम के तहत आठ लाख तक इलाज की सुविधा मिलेगी। गंभीर बीमारी में पूरा इलाज खर्च वहन किया जाएगा। 31 मार्च 2021 तक पैसा जमा कर सीपीआरएमएस का सदस्य बन सकते हैं।

कीमत तय कर एशियाई बाजार खासकर पड़ोसी देश बांग्लादेश, म्यांमार एवं नेपाल जैसे देश को पावर प्लांटों के उपयोग औद्योगिक उपयोग

के लिए कोयले का निर्यात करेंगे। सीआईएल अधिकारी की मानें तो इस पल काम शुरू हो गया है और इसका सबसे ज्यादा लाभ ईसीएल को होगा।